ISSN 2581-9917

जियो और जीने दो

चंदा यादव*

वसुंधरा की सुंदर धरोहर है ये पक्षी
जियो और जीने दो ...

हम जीवन को जिस सुख और आनन्दमय शैली में जीना चाहते हैं वही अधिकार, उसी भावना से दूसरों को भी दे यही जीवन का भाव है यही जीवन जीने की अर्थपूर्ण कला है। जीवन की सार्थकता, कृतज्ञता इसी में है कि अपने लाभ व लालच के लिए मानव दूसरों को हानि न पहुचाएं।

विश्व में समय-समय पर जन्में महापुरुषों ने जीवन की सार्थकता को भिन्न-भिन्न रूपों में देखा है परन्तु सबका आधार जियो और जीने दो पर ही केन्द्रित देखा जा सकता है। 2535 वर्ष पूर्व भगवान् महावीर ने हमें एक ऐसा ही मूलमन्त्र दिया था जिसे सभी व्यक्तियों द्वारा अत्यधिक सराहना मिली।

जीजस, गौतम बुद्ध, मोहम्मद साहिब, भगवान् कृष्ण, गुरु नानक साहिब, इन सब के विचारों में हम जीवन की सार्थकता और उसके महत्व को देख सकते हैं, जो इसी पर आधारित है कि जियो और जीने दो। यहाँ तक की कवि शेक्सपीयर (**Shakespeare**) ने अपनी कविताओं में इन्हीं विचारों को पेश करने की कोशिश की है।

इन सब भावों के बाद में आपको एक ऐसे ही स्थल से रूबरू कराना चाहती हूँ जो जीवन की सार्थकता और जीने की कला दोनों को अर्थ प्रदान करती है।

भारत की राजधानी दिल्ली में आज से 90 वर्ष पहले नींव पड़ी थी एक पक्षियों के चिकित्सालय की, जिसे 'पक्षियों का धर्मार्थ चिकित्सालय' के नाम से जाना जाता है। महान जैन ऋषि 'महाराज जी' की इच्छा पर 1929 में चांदनी चौक के किनारी बाजार के एक छोटे से कमरे में इसका विचार रखा गया जो कि स्वर्गीय श्री लच्छामल जी जैन का निवास स्थान भी था। आज यह चिकित्सालय लाल किला के बिल्कुल सामने दिगम्बर जैन मंदिर के परिसर में तीन मंजिला बिल्डिंग में चलाया जा रहा है, यह चिकित्सालय अपने कार्यों को लेकर अपने आप में अद्वितीय है। क्योंकि यह सिर्फ दान पर चलता है और इसको 95 प्रतिशत से ज्यादा की राशि सिर्फ जैन धर्म के लोगों से ही प्राप्त होती है।

* सहायक व्याख्याता, राजनीति शास्त्र,
एन.सी.डब्ल्यू.ई.बी., दिल्ली विश्वविद्यालय।

इस धर्मार्थ चिकित्सालय में उन घायल पक्षियों का इलाज किया जाता है जो आसपास के लोगों द्वारा घायल अवस्था में लाए जाते हैं। साथ ही इनके कुछ कठिन नियम भी हैं जैसे कि इलाज करने के पश्चात् किसी भी पक्षी को वापस नहीं लौटाया जाएगा, बल्कि उन्हें खुले आसमान में आजाद छोड़ दिया जाएगा ताकि वह पक्षी पहले की तरह अपना जीवन जी सके।

एक दिन में इस चिकित्सालय में लगभग 60 पक्षियों को भर्ती किया जाता है जिनका इलाज प्रशिक्षित चिकित्सकों के द्वारा किया जाता है। इनके पास पक्षियों के इलाज से सम्बन्धित दवाईयां, पट्टियां और ड्रिप आदि सभी चीजें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहती हैं।

पक्षियों को उनके स्वास्थ्य के अनुसार दाना दिया जाता है कोई भी व्यक्ति बाहर से उन्हें कुछ नहीं खिला सकता। यहाँ तोते, मोर, कौएं, कबूतर, कोयल, बाज, चील आदि आपको आमतौर पर देखने को मिल जाएंगे।

मानव जीवन में पक्षियों का हमेशा से एक महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है। वे हमें औषधि, उर्वरक, भोजन और मधुर गीत प्रदान करते हैं। पर्यावरण सुरक्षा व पक्षियों के बीच सीधा सम्बन्ध है। पर्यावरण में परागण के लिए महत्वपूर्ण है, वे हानिकारक फसल वाले कीटों को नष्ट करते हैं और जैव नियंत्रण में सहायक होते हैं। कुछ पक्षियों के पंख और मांसपेशियों का उपयोग कुछ आयुर्वेदिक और युनानी दवाओं में किया जाता है। उदाहरण के लए युनानी प्रणाली में क्षयरोग और छाती रोगों के रोगियों को कबूतर के शव को अपने छाती के संपर्क में रखने को कहा जाता है।

साथ ही विभिन्न पक्षियों के सादे व बहुरंगी पंख, मनुष्य के लिए महान आर्थिक महत्व रखते हैं, वे बड़े पैमाने पर तकिए, रजाई, कम्बल, कपड़ों आदि के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

कई छोटे पक्षी जो फूलदार पौधों पर आते हैं, परागण में मदद करते हैं। कुछ फूलों के परागण केवल पक्षी द्वारा ही किए जा सकते हैं क्योंकि यह फूल सिर्फ पक्षियों के लिए प्रतिक्रिया करते हैं वही जो पक्षी फल खाते हैं वो बीजों के प्रसार में सहायक होते हैं।

पक्षियों के मल में नाईट्रोजन, फॉस्फेट, कैल्शियम और लोहे की उपस्थिति होती है, जिसे गुआनो कहा जाता है। इसका भारी मात्रा में उर्वरक में प्रयोग किया जाता है।

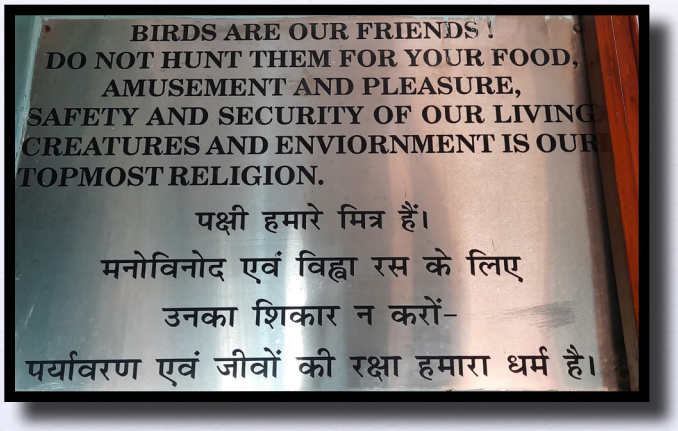

साथ ही पक्षी हानिकारक फसल कीटों को मार कर जैव नियंत्रण में सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए जो पक्षी बीज खाते हैं वह हर साल हजारों टन के जंगली घास के बीज का सेवन करते हैं जिससे खेत व जंगली घास पर नियंत्रण होता है।

अतः हम कह सकते हैं कि प्राकृतिक खाद्य श्रृंखला से लेकर जीवन के हर पहलू में पक्षियों कीएक विशेष भूमिका है और आज जरूरत है कि मनुष्य उन बातों का खास ख्याल रखें जिससे पक्षियों के जीवन को थोड़ा आसान बनाया जा सके।

****

चित्र : चंदा यादव

Painting : Dr Rahul Sangani | West Virginia, USA

Birds | Dr. Aparna Das, Orlando, USA